INTERNATIONAL NEWS AND VIEW CORPORATION
INVC
अंतरराष्ट्रीय समाचार एवं विचार निगम

आदिवासी समाज ने अपनी संस्कृति को सहेज कर रखा

By : Editor Published On : 30 Oct, 2019 04:59 PM IST

आई एन वी सी न्यूज़
बदरी,
स्वर्गीय कार्तिक उरांव अभियंता ही नहीं बल्कि समाज के संरचनात्मक गुरु थे। उन्हें आदिवासियों के मसीहा के रूप में पूजा जाता है। हम सभी कार्तिक बाबा से प्रेरणा लेकर राज्य के विकास के लिए काम कर रहे हैं। आदिवासी समाज के मसीहा कार्तिक बाबा के विचारों का सम्मान पूर्व में नहीं किया गया। कुछ लोगों ने कार्तिक बाबा और आदिवासियों के नाम पर राजनीति करते रहे हैं। इतने महान पंखराज बाबा कार्तिक उरांव जननायक के रूप में उभर कर आए, उन्हें सम्मान देने का काम किसी ने नहीं किया। ये बातें मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास ने गुमला के बदरी गांव में स्वर्गीय कार्तिक उरांव की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में कही। श्री दास ने कहा कि कार्तिक बाबा का सपना था कि आदिवासी, शोषित, वंचित की जिंदगी में बदलाव लाना है। सरकार कार्तिक बाबा के सपने को साकार करने में जुटी है।

झारखण्ड की पहचान गीत, नृत्य और संगीत
मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी समाज ने अपनी संस्कृति को सहेज कर रखा है। आधुनिकता की इस दौड़ में परंपरागत जतरा का आयोजन कार्तिक बाबा को सच्ची श्रद्धांजलि है। कार्तिक बाबा का सम्मान मिल रहा है। इस तरह के आयोजन से आनेवाली पीढ़ी को खुद की संस्कृति बचाने हेतु उनकी मानसिकता को सिंचित करेगा। इस संस्कृति को नष्ट करने का बहुत प्रयास हुआ। लेकिन कभी न खंडित होने वाली संस्कृति आज भी अक्षुण्ण है और सदियों तक रहेगी। सरकार किसी भी धर्म की विरोधी नहीं। लेकिन अगर जबरन यह सब हुआ तो सरकार बाधक बनेगी। कार्तिक बाबा भी चाहते थे कि धर्मांतरण कानून बने और वर्तमान सरकार ने इस कानून का अमलीजामा पहनाया।

शिक्षा विकास और समृद्धि का वाहक
मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्तिक बाबा ने शिक्षा पर जोर दिया। वे चाहते थे कि समाज शिक्षित बने। क्योंकि शिक्षा के बिना विकास और समृद्धि की कल्पना करना व्यर्थ है। कार्तिक बाबा के सपने को पूरा करने का प्रयास सरकार कर रही है। अगर आप और आपके बच्चे शिक्षित होंगे तो आप में जागरूकता आएगी, जागरूकता से आप में खुद के विकास का मार्ग प्रशस्त होगा। वर्षों से आपको शिक्षा और मूलभूत सुविधाओं से वंचित रखा गया। वर्तमान सरकार आपके विकास को लक्ष्य मान कर कार्य कर रही है।

किसी को 5- 10 हजार के लिए राज्य छोड़ने की जरूरत नहीं
मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी को 5 - 10 हजार रुपये के लिए राज्य से बाहर जाने की जरूरत नहीं। वर्तमान सरकार यहां के युवाओं को हुनरमंद बनाकर राज्य में ही रोजगार दे रही है। गारमेंट्स यानी वस्त्र उद्योग में सरकार हजारों युवतियों को रोजगार दे रही है। क्षेत्र की बच्चियां भी खुदको हुनरमंद बनाएं। अगर कोई अनाथ है तो हम उन्हें में हुनरमंद बनाकर रोजगार देंगे। जिला के उपायुक्त इससे संबंधित सूची तैयार करें। अनाथ का नाथ रघुवर दास बनेगा।

योजनाओं से जनता को अवगत कराएं मुख्यमंत्री रघुवर दास ने अपने भाषण के दौरान कहा कि सरकार की विकास योजनाओं से जनता को जागरूक करें और इसका लाभ उनको मिले यह तय करें।

इस अवसर पर स्वर्गीय कार्तिक उरांव स्मृति खेलकूद प्रतियोगिता में फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में लगभग 32-32 टीमों ने भाग लिया था, जिसमें विजयी टीमों को आयोजन समिति के द्वारा पुरस्कार दिया गया।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री दिनेश उरांव, राज्य सभा संसद श्री समीर उरांव, पद्मश्री श्री अशोक भगत, उपायुक्त गुमला श्री शशि रंजन, पुलिस अधीक्षक श्री अंजनी कुमार झा, एसडीपीओ श्री नागेश्वर प्रसाद सिंह, श्री चंद प्रजापति, श्री भिखारी भगत, श्री कमलेश उरांव, श्री अशोक उरांव, श्री तेम्बू उरांव सहित सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद थे।

URL : https://www.internationalnewsandviews.com/आदिवासी-समाज-ने-अपनी-संस्/

INTERNATIONAL NEWS AND VIEW CORPORATION
INVC
अंतरराष्ट्रीय समाचार एवं विचार निगम

12th year of news and views excellency

Committed to truth and impartiality

Copyright © 2009 - 2019 International News and Views Corporation. All rights reserved.

www.internationalnewsandviews.com